मंथन

वर्ष 5 अंक 2 26 जनवरी, 2012

स्टाफ क्लब

आई. एच. बी. टी., पालमपुर

मंथन

स्टाफ क्लब, आई. एच. बी. टी., पालमपुर

वर्ष 5 अंक 2 **26 जनवरी 2012**

आमुख

मंथन आपके स्टाफ क्लब की पत्रिका है, इसका 16वां अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। आपके अन्दर विद्यमान वे प्रतिभायें, जिन्हें आप बोलकर या अन्य किसी रूप में व्यक्त नहीं कर सकते आप उन्हें मंथन के माध्यम से लघु लेख व कथा, कलाकृति, रेखाचित्र, कविता व अन्य किसी भी रूप में व्यक्त कर सकते हैं तथा छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं।

"मंथन की भावना है–भावनाओं का मंथन।"

स्टाफ क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों से निवेदन है कि वे मंथन के आगामी अंकों के लिए प्रविष्टियां देने की कृपा करें ताकि मंथन का अगला अंक समय से निकाला जा सके। भाषा हिन्दी या अंग्रेजी हो सकती है।

इस अंक में प्रविष्टियां देने वालों व सहयोग प्रदान करने वालों का स्टाफ क्लब सदैव आभारी रहेगा।

संपादक

* * : विषय सूची : * *

Sl. No.	Topic	Name	Page No.
1.	नववर्ष मंगलमय हो- 2012	डा. वी. के. कौल	1
2.	अन्ना हज़ारे	संजय कुमार	2
3.	जननी	संगीता सिंह	3
4.	बॉस- एक दिव्य उपहार	अनिल सूद	4
5.	TWO FEATHERED BEAUTIES OF IHBT CAMPUS	Arunava Datta	5
6.	HOW MANY MEGAPIXELS DO YOU REALLY NEED IN A DIGITAL CAMERA?	Pabitra Gain	6
7.	चुटकुले	मुखत्यार सिंह	7
8.	COMPUTER MAGIC, UNBELIEVABLE!!	Vikrant Gautam	8
9.	WINTER	Shivansh	9
10.	MY CAT	Kriten Sud	10
11.	HOW I SPENT MY HOLIDAYS	Samgya Gauri	11
12.	PAINTING	Soumil	12
13.		Pooja Pati	13
14.		Partha Punia	14
15.		Shaivi Uniyal	15
16.		Brahmi Uniyal	16
17.		Dhanvi Uniyal	17
18.		Subhashree	18

* * : नववर्ष मंगलमय हो- 2012 : * *

नववर्ष में नवजीवन का शुभारंभ करें
हर दिन नया दिन है, नया सवेरा है
नया सूर्य नवीन किरणें नई आशाएँ
नित नई आकांक्षायें।

नव पवन, नव प्रसून, नयी ज्योति
नभमंडल में उतरती है,
फिर क्यों न हमारे मन में नई स्फूर्ति
नव विचार, नव रंग नहीं उतरे
नव कमल नव सुमन लेकर नववर्ष आया है।

आइए, करें स्वागत इसका जाकर तमस के पार
भोर का उजाला भरलें अपने जीवन में
अपने दोष-दुरित पाप-पंक धो डालें
जीवन पवित्र करने का संकल्प करें
अज्ञान, अभाव, अन्याय, अकर्मण्यता से जूझ जाएँ।

प्रार्थना, पुरुषार्थ का कर समनवय
मानवता को उच्च शिखर तक ले जायें
आज से नवजीवन का शुभारंभ करें
नव वर्ष में भक्ति-शक्ति का जागरण हो
इसी पावन मंगलकामना के साथ.....

डा. वी. के. कौल
परियोजना सलाहकार
हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान,
पालमपुर (हि॰प्र॰)।

* * : अन्ना हज़ारे : * *

अन्ना हज़ारे एक ऐसा नाम है जो न केवल भारत में अपितु विश्व भर में विख्यात है। आज बड़े तो क्या बच्चे-बच्चे के मुंह पर भी अन्ना हजारे का नाम है। स्वतन्त्र भारत में भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ आंदोलन में आम आदमी को जोड़ने का काम जो अन्ना हजारे ने किया है वो आज तक कोई नहीं कर पाया। अन्ना हजारे का असली नाम किसन बाबूराव हज़ारे है। भारत के एक प्रसिद्ध गांधीवादी विचारधारा के सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

अन्ना हज़ारे का जन्म 15 जून 1938 को महाराष्ट्र के भिंगारी गांव के एक किसान परिवार में हुआ पिता मजदूर थे और दादा फौज में थे। अन्ना के पुरखों का गांव अहमद नगर जिले में ही स्थित रालेगन सिद्धि में था। परिवार में तंगी का आलम देखकर अन्ना की बुआ उन्हें मुम्बई ले गईं। वहां उन्होंने सातवीं तक पढ़ाई की। परिवार पर कष्टों का बोझ देखकर वह दादर स्टेशन के बाहर एक फूल बेचनेवाले की दुकान में 40 रुपये की पगार में काम करने लगे।

भारत-चीन युद्ध के बाद सरकार की अपील पर अन्ना सेना में बतौर ड्राइवर भर्ती हुए थे। 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अन्ना हज़ारे खेमकरण सीमा पर तैनात थे। 12 नवंबर 1965 को चौकी पर पाकिस्तानी हवाई बमबारी में वहां तैनात सारे सैनिक मारे गए। इस घटना ने अन्ना की ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। घटना के 13 साल बाद अन्ना सेना से रिटायर हुए लेकिन अपने जन्म स्थली भिंगारी गांव भी नहीं गए. वे पास के रालेगांव सिद्धि में रहने लगे।

1990 तक हज़ारे की पहचान एक ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में हुई जिसने अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि को अपनी कर्मभूमि बनाया और विकास की नई कहानी लिख दी। इस गांव में बिजली और पानी की ज़बरदस्त कमी थी। अन्ना ने गांव वालों को नहर बनाने और गड्ढे खोदकर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए प्रेरित किया और ख़ुद भी इसमें योगदान दिया। अन्ना के कहने पर गांव में जगह-जगह पेड़ लगाए गए. गांव में सौर ऊर्जा और गोबर गैस के जरिए बिजली की सप्लाई की गई. इसके बाद उनकी लोकप्रियता में तेजी से इज़ाफा हुआ।

1990 में 'पद्मश्री' और 1992 में पद्मभूषण से सम्मानित अन्ना हज़ारे को अहमदनगर ज़िले के गाँव रालेगाँव सिद्धि के विकास और वहां पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए विभिन्न तरीक़ों का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है।

अन्ना की राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के धुर विरोधी सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर पहचान नब्बे के दशक में बनी जब उन्होंने 1991 में 'भ्रष्टाचार विरोधी जनआंदोलन' की शुरूआत की। महाराष्ट्र में सरकार के कुछ 'भ्रष्ट' मंत्रियों को हटाए जाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल की. सरकार को उनकी मांग पर मंत्रियों को हटाना पड़ा। 1997 में अन्ना हज़ारे ने सूचना के अधिकार क़ानून के समर्थन में मुहिम छेड़ी। आख़िरकार 2003 में महाराष्ट्र सरकार को इस क़ानून के एक मज़बूत और कड़े मसौदे को पास करना पड़ा। बाद में इसी आंदोलन ने राष्ट्रीय आंदोलन का रूप लिया और 2005 में संसद ने सूचना का अधिकार क़ानून पारित किया. सूचना के अधिकार के लिये कार्य करने वालों में वे प्रमुख थे। साफ-सुथरी छवि वाले हज़ारे, भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष करने के लिये प्रसिद्ध हैं। जन लोकपाल विधेयक को पारित कराने के लिये अन्ना प्रयासरत हैं। उनके स्वास्थ्य एवं दीर्धायु के लिए समस्त भारतवासियों की शुभकामनाएं हैं।

संजय कुमार

* * : जननी : * *

हे जननी जग तुम्हें जानता
अस्तित्व को तुम्हारे पहचानता
ये 'शब्द पुष्प' तुम्हें अर्पण
कोटि-कोटि तुम्हें नमन:

अग्नि-पथ पर तुम्हीं चल सकती
जीवन अपना होम कर सृजन देती
तुम्हारे सामने हुये नतमस्तक सभी
निश्चल पवित्र प्रेम की धारा तुम्हीं।

क्षमाशील हो धरा सी तुम्हीं
शक्ति इतनी की भेद दो शिविर
मातृत्व बल के आगे हारे सभी
नमन करते तुम्हें देवगण सभी
कहाँ से लाऊँ मैं शब्द नये
सब तुम्हारी वंदना में गौण हुए।

तुम्हीं साकार तुम्हीं निराकार
तुम अनन्त तुम अथाह
करूँ कैसे मैं स्तुति तुम्हारी
तुम्हारे सामने मेरी लेखनी हारी।

हो ओज़ से भरी शीत की प्रतिमा
शत-शत तुम्हें मेरा प्रणाम!

संगीता सिंह

* * : बाँस- एक दिव्य उपहार : * *

प्रकृति ने जब रचना रची,
फल–फूल, पौधे एवं कीट–पतंग व प्राणी,
सुंदर पर्वत, बहती नदियाँ, सागर में शोभित पानी,
एक सन्तुलन बना इस चक्र का आधार ।
जिस में सभी एक दूसरे पर आश्रित
परन्तु अपनी आवश्यकता अनुसार ही
किया एक दूसरे पर प्रहार ।
इन्हीं अदभुत रचनाओं में
सृजन विशालकाय घास 'बाँस' का
जो बृहत वृद्धि से छू लेता है आसमान को
हर गाँव, खलियान व किसान का प्रिय
क्योंकि निःस्वार्थ भाव से प्रदान करे
मकान को लकड़ी, पशु को घास एवं
मिट्टी को जड़ों में जकड़, स्वच्छ पानी प्रचुर ।
बाँस ने प्रस्तुत करीं असीम सम्भावनाएं
तथा गाँव के लोगों का बना हर मन प्यारा ।
बाँस ने प्रस्तुत करीं असीम सम्भावनाएं
मानव संग जुड़ा शैशव से जब छूटा माँ से साथ
रहा साथ जीवन भर फिर मृत्युपरांत भी
कपालमोचन में भी बाँस ही काम आया ।
बाँस से सीखना है आसमान की बुलंदी तक पहुंचने का राज
कि यह स्टील से मजबूत कैसे हवा में झुक जाता है छोड़कर नाज ।
बहती हवाओं में गाता है मधुर गीत
कि इसकी डाल पर पक्षी गुनगुनाते हैं संगीत ।
अपनी वृद्धि से बना देता है पृथ्वी को ग्रीन
कार्बन डायआक्साइड जैसी गैसों को करता है क्षीण ।
कैल्शियम से भरपूर बंसलोचन
हृदय में छुपा रहता है।
अधिक प्रोटीन और फाईबर युक्त
कैंडी, बिस्कुट, जैम और जैली ने
सबको दीवाना बना रखा है ।
पौष्टिकता के लिए मेरे प्ररोह तथा
सर्दी में घर में गर्मी के लिए कोयला है ।
स्वच्छ पानी हेतु एक्टीवेटड कार्बन
सौंदर्य के लिए मोम, आफिस में टायलें
और छत के लिए बोर्ड, सब मेरी कोख से निकलता है ।
कभी मन्द–मन्द समीर में इठलाऊँ
तो कभी बाँसुरी बन
कान्हा के होंठों से लग सृष्टि को मदहोश बनाऊँ ।
मुझ से प्यार करो प्यार मिलेगा
सुधर जाओ अभी वक्त है नहीं तो
मेरे द्वारा ही पिटेगा ।।

अनिल सूद

❋ ❋ : TWO FEATHERED BEAUTIES OF IHBT CAMPUS : ❋ ❋

Our campus is decked with birds of various form and colour. They are like charming fairies which fascinate and captivate our minds. With well over seventy species of birds, our campus can be said to be quiet rich in avian wealth. This diversity can be accounted due to the diversity and patchiness of the landscape which harbors suitable habitat ranging from natural streams and ponds to dense woodland and open grass lands.

A brief account of two interesting birds is presented below.

Asian Paradise Flycatcher

White capped redstart

Asian Paradise Flycatcher: This magnificent bird can be found throughout the summer and rainy season in our campus. One can spot it perching in shady grooves and gardens and often in the bamboo thickets.The male and the female birds are strikingly different. The males are white with long ribbon like drooping tail with metallic black head and measures up to 20 inches. The females are chestnut colored with smaller tail and are less attractive than the males. The young males and females resembles bulbul.

The fairy like movement of this bird in flight is a real treat for eyes. The beautiful plumage has aptly earned this bird various local names like "Shah Bulbul" and "Husaini Bulbul"

It feeds mainly on insects specially flies, as its name indicates "flycatcher".

The geographical range of the bird is throughout the Indian subcontinent. In the Himalayas it is found up to 2000m.

White capped redstart: This beautiful bird can be occasionally seen in the campus in the autumn and winter near the natural streams and water source. It prefers open place devoid of trees. It measures up to 7 inches and can be easily identified by the virtue of its shining white cap. The body is black with chestnut coloured breast and tail. The tail has a black end. Both the sexes look alike.

This bird is very agile and jumps from one boulder to the next one continuously beating its tail up and down while making loud *tee-tee* sound.

It preys on flies and small insects and breeds from May to August.It has a broad geographical range from Baluchistan to Western China occurring in the higher mountains between 2000m to 4000m.

Arunava Datta

If you're out buying a digital camera, then one of the key deciding factors is the number of megapixels supported. The number of megapixels determines the how good your photos turn out. If you have too few megapixels, then your pictures will turn out crappy. Investing in a camera with too many megapixels, on the other hand, is an unnecessary waste of money. Personally, I feel that if you have unlimited funds, then, by all means go for that high end 8 megapixel camera. Otherwise, you certainly don't want to waste money on extra megapixels you don't need.

A golden rule to bear mind: a camera with more megapixels isn't always better. If your camera supports more megapixels, then each photo you take will be larger. This means that you'll use up more space on your memory cards and computer's hard drive.

If you have trouble deciding how many megapixels you need (I know I did when I bought my first digital camera), then the guide below will help (this is my personal view). Essentially, you need to ascertain what size prints you want to get and what your budget is, before deciding on how many megapixels you want. So here we go:

2 megapixels or less: Cameras in this range (e.g. web cameras or cell phone cameras) have very low image resolution. Don't expect to be able to print high-quality photos using these cameras. You can, however, email the photos or post them on your web site.

2 to 3 megapixels: Cameras in this range are pretty decent though - you can expect to print out great 4x6 prints at this resolution. If you want larger, blown-up portraits of your birthday party or holiday's photograph's, then I would certainly recommend getting more megapixels.

4 to 5 megapixels: Most new point-and-shoot cameras these days tend to have at least 3 to 4 megapixel image resolutions. Bring these images to the lab and they'll be able to develop great looking 4x6, 5x7 and even 6x9 printouts.

5 megapixels and up: The more advanced cameras tend to have image resolutions of 5 to 8 megapixels. Newer point-and-shoot cameras have 5 megapixels, while the newer digital SLRs come with 8 megapixels. The quality of images shot by these cameras is simply stunning.

Conclusion

Well, now you know roughly the number of megapixels you should be shooting for depending on your intended usage and budget for the camera. My general advice is, if you're just an amateur photographer, then don't buy cameras above 8 megapixels. When you are really serious about digital photography and want to go professional, and then consider buying a DSLR camera.

Pabitra Gain

(Source of some web articles and personal view)

* * : चुटकुले : * *

सास (अपनी नई बहू से) : इस घर की मैं गृह मंत्री हूं और साथ में वित्त मंत्रालय भी संभालती हूं, तुम्हारे ससुर विदेश मंत्री हैं। मेरा बेटा आपूर्ति मंत्री है एवं बेटी योजना मंत्री है। तुम कौन सा विभाग लेना पसंद करोगी? सास ने अपने मंत्रीमंड्ल के विस्तार पर नई बहू से पूछा ।

बहू ने कहा : सासु जी, मेरी किसी मंत्रालय-वंत्रालय की चाहत नहीं मैं तो विपक्ष में ही बैठना पसंद करूँगी।

*****

गोलु (साधु से) : बाबा जी कोई ऐसा मंत्र दे दो जिसका जाप करके मैं बहुत सा धन इकट्ठा कर लूँ ।

साधु : बच्चा, अगर मेरे पास ऐसा कोई मंत्र होता तो मैं ऐसे दर-दर की ठोकरें नहीं खाता।

*****

गोलु : डॉक्टर एक बच्चे के लिए सलाह देता है कि इसे थोड़ा रम या ब्रांडी दे दिया करो (शहद या दुध में मिलाकर) ठीक होता है परन्तु बड़े लोगों को कहते हैं रम या ब्रांडी मत लेना लिवर के लिए ठीक नहीं, ऐसा क्यों?

झोलु : डॉक्टर बड़ों को इस लिए मना करते हैं क्योंकि उनके लिवर वह बचपन में ही खराब करवा चुके होते हैं।

*****

गोलु : आमिर ख़ान एक विज्ञापन में बच्चे को खुले में सू-सू करने से मना करते जबकि एक दूसरे विज्ञापन में एम॰ एस॰ धोनी बच्चे को दीवार पर सू-सू करवाते हैं। मैं तो भ्रम में पड़ गया हूँ मुझे जरा समझा तो।

झोलु : एम॰ एस॰ धोनी देश का अपमान करने का काम करते हैं जबकि आमिर ख़ान देश के सम्मान की बात करते हैं। धोनी को इस काम के लिए रुपये भी ज्यादा ही मिलते होंगे।

*****

मुखत्यार सिंह
आइ॰एच॰बी॰टी॰ पुस्तकालय

* * : COMPUTER MAGIC, UNBELIEVABLE!! : * *

Magic #1
It was discovered that nobody can create a FOLDER anywhere on the computer which can be named as "CON".

TRY IT NOW , IT WILL NOT CREATE " CON " FOLDER

MAGIC #2

For those of you using Windows, do the following:

1.) Open an empty notepad file
2.) Type "Bush hid the facts" (without the quotes)
3.) Save it as whatever you want.
4.) Close it, and re-open it.

Is it just a really weird bug?

MAGIC #3

This is something pretty unbelievable ..

It was discovered by a Brazilian. Try it out yourself…

Open Microsoft Word and type
=rand (200, 99)

And then press ENTER.

The results are again confusing?

Vikrant Gautam
Source: (email)

* * : WINTER : * *

What is winter?

It is the season of leisure
on the season of pleasure
on seeing the women knitting sweater.

Watching out of the window
the wide open white fields
on the white cotton everywhere.

The joy of children
to make the snow man
and doing all other they can.

It is the season of
sadness of leaving the year
on the happiness of other year.

For the animals in the snow
it is the season to snow
or the season to grow.

Plants in the season
are just white on
some are decorated with light.

Winter is the season of
VOLUNDTEER
which is repeated just
after an YEAR.

Shivansh
Class-VIII

* * : MY CAT : * *

I have a cat
It sits on a mat
Its name is Tom
And it's scared of my mom.

Its favorite sound is that of a horn
And its caretaker is John
Its favorite place is the lawn
And it likes to eat corn.

We give it food that is milk
And its fur is as soft as silk
It never gets beaten
And loves its kitten.

It likes to sit in the sun
But does not like to run
It is the cutest pet in the world I see
And it is most loved by me.

Kriten Sud
Class – VI

❋ ❋ : HOW I SPENT MY HOLIDAYS : ❋ ❋

During my winter holidays, we went to Delhi, Kerala and Kanyakumari.

In Kerala, we visited Napier Museum, Padmanabhswamy temple, beach, zoo and Nayyar Dam.

In Nayyar Dam we visited Lion Safari, crocodile park and deer park. We enjoyed at Kovalam see beach. In Kanyakumari we saw Swami Vivekananda Rock memorial and Kanyakumari temple.

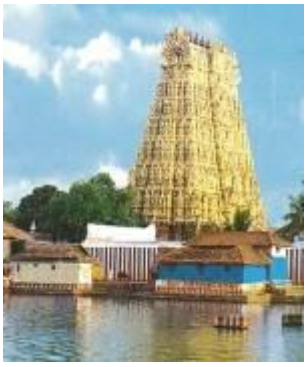

In Delhi, we saw Red Fort and Raj Ghat and enjoyed my holidays.

Samgya Gauri
Class-II

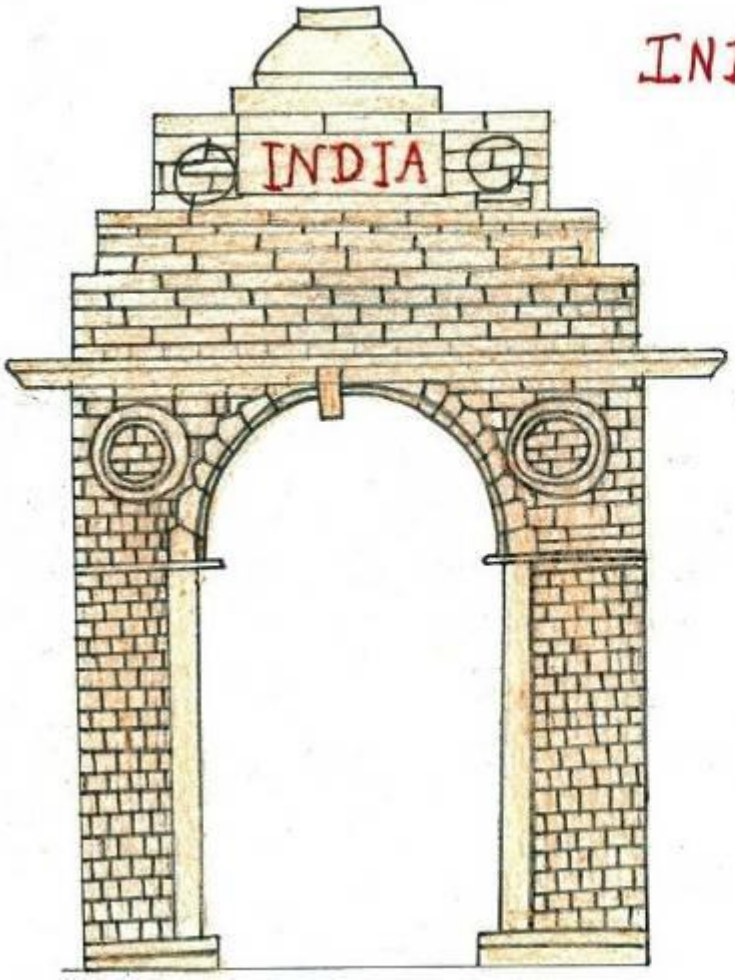

INDIA GATE - NEW DELHI

- The India Gate is a national monument of India located at Rajpath.
- It was built in 1931 in the memory of soldiers who laid down their lives during world war I.
- India Gate became the site of the Indian Army's Tomb of the Unknown soldiers, known as Amar Jawan Jyoti.

SOUMIL-IIB

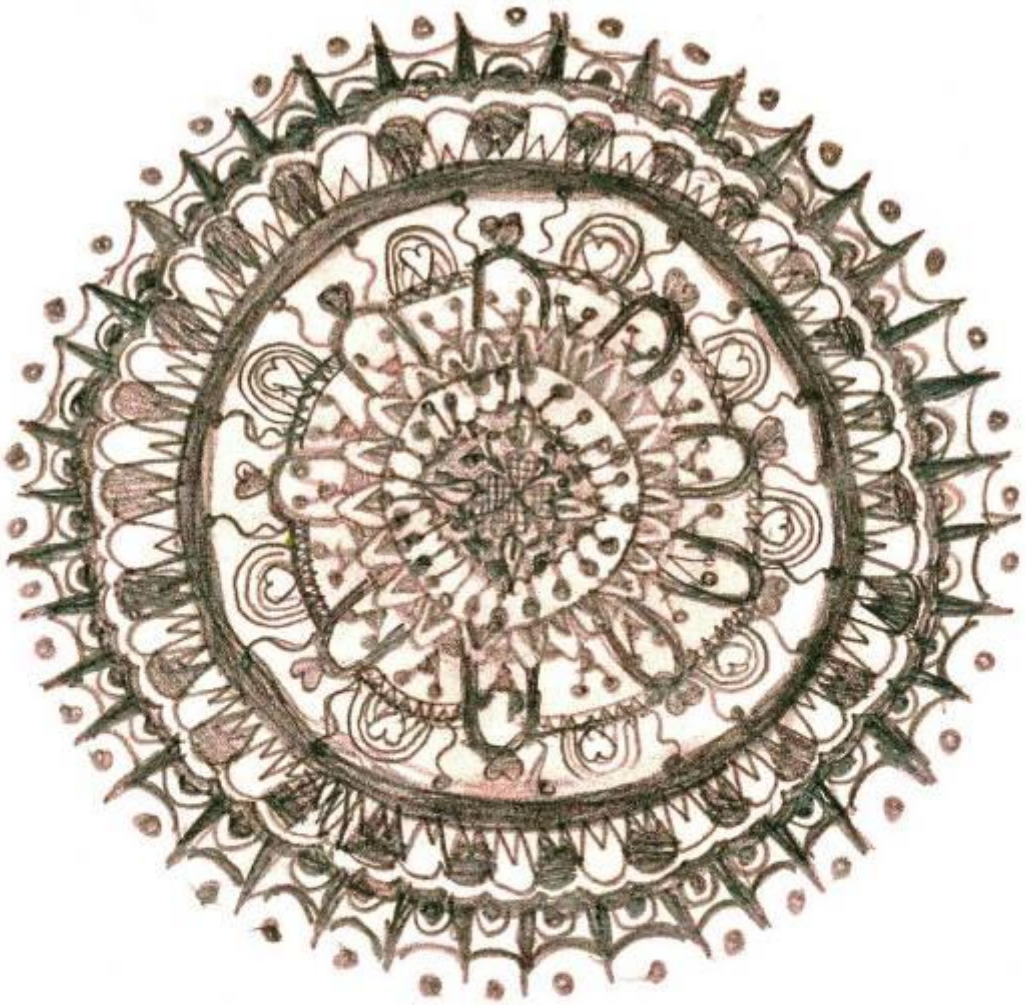

Pooja Pati

Free-hand Design

Class-V

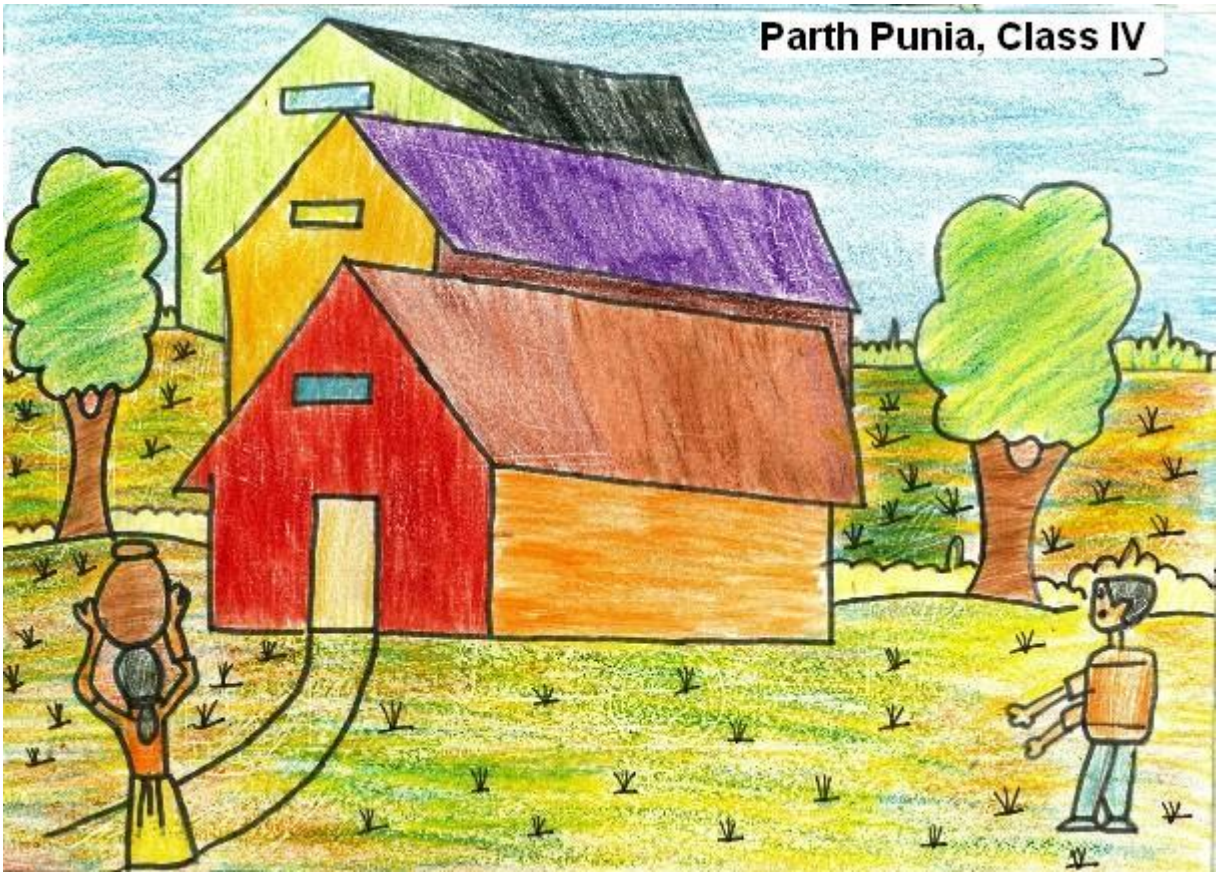
Parth Punia, Class IV

Shaivi Uniyal
class II B
School Name
D.A.V. Public
school

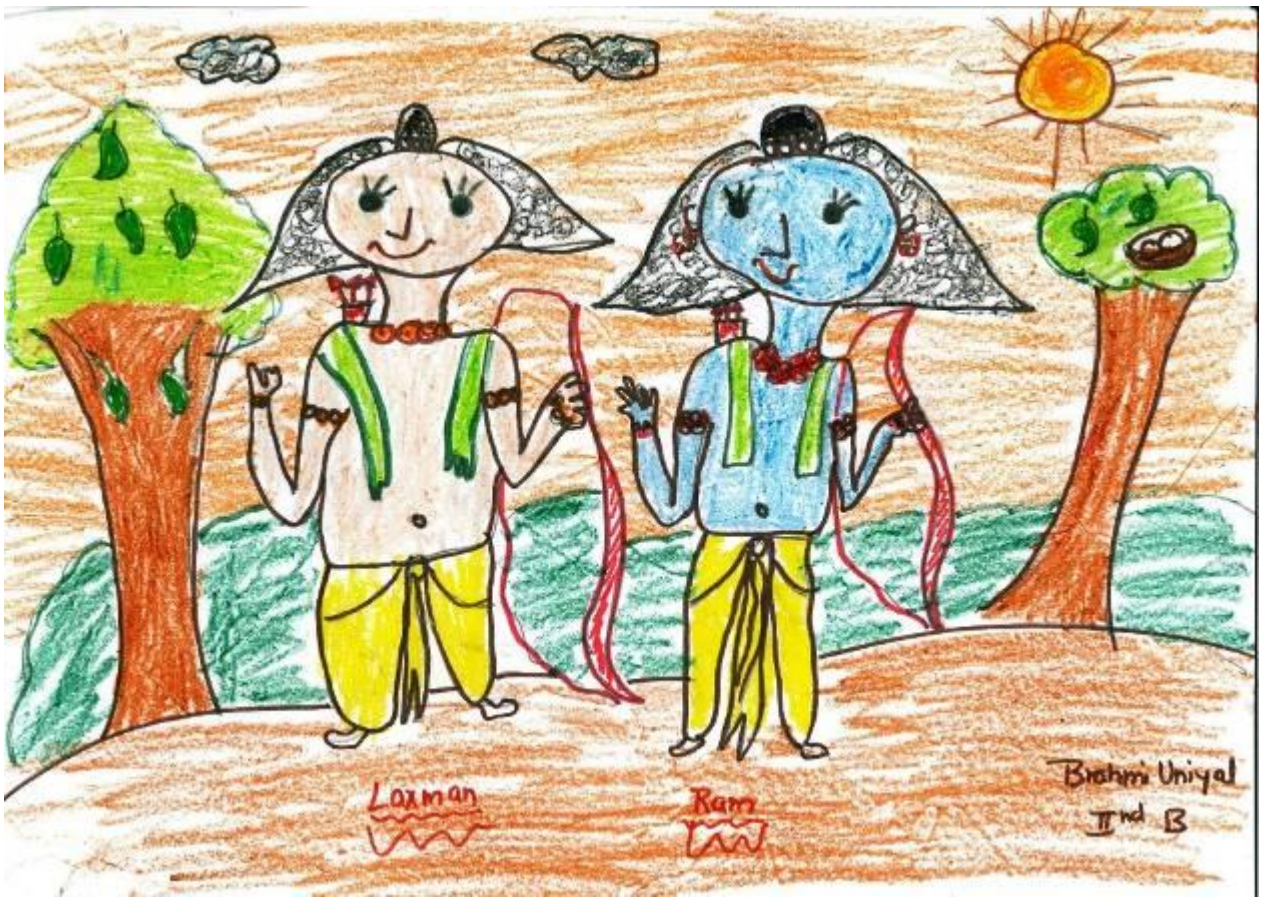
Laxman
Ram
Brahmi Uniyal
IInd B

Dhanvi Uniyal
IInd B

COLOUR THE FLOWERS
Ist